

मन्त्र जो कि मैं होने के बाद नहीं दुर्घ  
 लक्षण पेश होने पर पुत्र जारी हो कर 4x14N  
 वाले देवते मन्त्रिल डिग्री 8/14/21 की पेश  
 की है

8/14/21 पत्रावली पेश हुई उभयपक्ष उपस्थित  
 है/पीठासीन अधिकारी अवकाश में  
 होने/अन्य कार्य में व्यस्त  
 होने/बार एसीएशन की प्रार्थन से  
 पत्रावली वास्तु...  
 दिनांक 20/5/21 को पेश हो।

20/5/21 पत्रावली पेश हुई उभयपक्ष उपस्थित  
 है/पीठासीन अधिकारी अवकाश में  
 होने/अन्य कार्य में व्यस्त  
 होने/बार एसीएशन की प्रार्थन से  
 पत्रावली वास्तु...  
 दिनांक 17.6.24 को पेश हो।

17/6/21 पत्रावली पेश हुई उभयपक्ष उपस्थित  
 है/पीठासीन अधिकारी अवकाश में  
 होने/अन्य कार्य में व्यस्त  
 होने/बार एसीएशन की प्रार्थन से  
 पत्रावली वास्तु...  
 दिनांक 22/7/21 को पेश हो।

22/7/21 पत्रावली पेश हुई। अर्थात् मन्त्रिल पत्रावली  
 डिग्री उपस्थित है। डिग्री की शोर से  
 विवेदन दिया कि नवीन मन्त्रिल मन्त्र  
 1405, 1408 व 1448 वर्तमान वेबसाइट में  
 परामर्श के रूप में दर्ज है।



परमार्थ के से बेरपल करने का कार्य विपरीत का नहीं है पर परमार्थ आन पचापत रामपुर के एवांगिलिज का सचिपल की है। यहाँ को परमार्थ के उकरण में पचापत एडर के प्राधान अनुसार आन पचापत पूर्व में मोटीस देकर उनको भी पक्ष कर बनाना चाहिए जो नहीं बनाया गया यहाँ के विरुद्ध प्राणिन पर पेरा क्रिया जिसे रचना परमात्रा जाये। यहाँ सचिपल द्वारा वहा में विवेदन क्रिया कि मु उधर विभाग के द्वारा साचिपु के मुकाबले में नवीन रेकार्ड में मुली की गरी है। यहाँ साचिपु स्प.न. के अनुसार ही कार्य है। जब तक मूल काद विचारण नहीं हो तब तक यहाँ को बेरपल नहीं किया जाये। दोनो पक्षों की वहा उपरान्त पनापली में उपलब्ध रेकार्ड पर मत्त क्रिया प्रकृत दुपटा का पर उभाहित है। सुविधा अनुमन भी यहाँ के पक्ष में है। ऐसी स्थिति में मूल काद के विचारण तब प्राणिन पर एवीका क्रिया जाग उचित है।

मत मादेरा दिया जाता है कि

तल्लीदर रामपुर मूल काद के विचारण तब आन के मुक्रिया के भा 5 1405, 1408, 1448 के रेकार्ड एवं मोके की मजा लिपि बनाये रखे। पनापली कुंठल मुकाद ए वर नम्पर के वर ए वर पालना हेतु तल्लीदर रामपुर विभाग में जाये।

22/07/2021